# आचारदिनकर भाग-२ (फोल्डर नं. ००१५५७)

मुख्य टाइटल

अथाचारदिनकरीयप्रथमविभागविषयानुक्रमः

प्रतिष्ठाधिकारः


प्रतिष्ठास्वरूपम्-----१४१

प्रतिष्ठानुक्रमः-----१४१

जिनबिम्बादिप्रतिष्ठाविशेषः-----१४१

द्वारप्रतिष्ठाक्रमः-----१४२

गृहादौ बिम्बलक्षणानि-----१४३

सप्तविशुद्धिः-----१४३

जिनानां जन्मनक्षत्राणि राशयश्च-----१४३

बिम्बोपयुक्तवस्तूनि-----१४३

प्रतिष्ठायां लग्नशुद्धिः-----१४४

क्षेत्रशुद्धिः-----१४५

प्रतिष्ठासामग्री-----१४५

प्रतिष्ठोपयुक्तक्रयाणकानि-----१४६

मदनादिगण-----१४६

कुम्भादिगणः-----१४६

कुष्ठादिगणः-----१४६

वेल्लादिगणः-----१४६

दूर्वादिगणः-----१४६

जीवन्त्यादिगणः-----१४६

विदार्यादिगणः-----१४७

दार्व्यादिगणः-----१४७

पद्मकादिगणः-----१४७

परूषकादिगणः-----१४७

अजनादिगणः-----१४७

गुडूच्यादिगणः-----१४७

आरग्वधादिगणः-----१४७

असनादिगणः-----१४७

वरुणादिगणः-----१४७

रूषकादिगणः-----१४७

वेल्लन्तरादिगणः-----१४७

रोध्रादिगणः-----१४७

अर्कादिगणः ----------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
सुरसादिगणः --------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
मुष्कादिगणः --------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
वत्सकादिगणः -----------------------------------------------------------------------------------------------१४७
प्रियंग्वादिगण------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
ण्बष्ठादिगणः----------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
मुस्तादिगणः---------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
न्यग्रोधादिगणः ---------------------------------------------------------------------------------------------१४७
एलादिगणः-----------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
श्यामादिगणः -------------------------------------------------------------------------------------------------१४७
त्रायमाणादिगणः --------------------------------------------------------------------------------------------१४७
क्रयाणकशब्दार्थः --------------------------------------------------------------------------------------------१४८
प्लक्षादित्वचः -------------------------------------------------------------------------------------------------१४८
सहदेव्यादिगणः ---------------------------------------------------------------------------------------------१४८
मयूरशिखादिमूलानि ---------------------------------------------------------------------------------------१४८
कुष्ठादिवर्गः ----------------------------------------------------------------------------------------------------१४८
मेदादिसर्वौषध्यः --------------------------------------------------------------------------------------------१४९
सहदेव्यादिवर्गञ्च---------------------------------------------------------------------------------------------१४९
विष्णुक्रान्तादिमूलानि ---------------------------------------------------------------------------------------१४९
शतमूलं सहस्रमूलं च---------------------------------------------------------------------------------------१४९
प्चामृतम्--------------------------------------------------------------------------------------------------------१५०
प्रिष्ठाविधिः ----------------------------------------------------------------------------------------------------१५०
भूतबलिमन्त्रः -------------------------------------------------------------------------------------------------१५१
स्तुतिकथनम् -------------------------------------------------------------------------------------------------१५१
शान्तिदेवताकायोत्सर्गः------------------------------------------------------------------------------------१५१
अम्बिककायोत्सर्गः ---------------------------------------------------------------------------------------१५१
अच्छुप्तादेवीकायोत्सर्गः -----------------------------------------------------------------------------------१५१
समस्तवैयावृत्यकायोत्सर्गः---------------------------------------------------------------------------------१५१
सकलीकरणविधिः -------------------------------------------------------------------------------------------१५१
शुचिविद्या-------------------------------------------------------------------------------------------------------१५१
बल्यभिमन्त्रणम्-----------------------------------------------------------------------------------------------१५१
कलशाभिमन्त्रणम्--------------------------------------------------------------------------------------------१५१
सर्वौषधिचन्दनाद्यभिमन्त्रणम् -----------------------------------------------------------------------------१५२
पुष्पाभिमन्त्रणम्-----------------------------------------------------------------------------------------------१५२
पञ्चरत्नबन्धनम्-----------------------------------------------------------------------------------------------१५२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

हिरण्योदकेन स्नपनम् ----- १५२
प्लक्षादिकषायस्नपनम् ----- १५२
पञ्चगव्यदर्भोदकस्नानम् ----- १५२
सहदेव्यादिस्नानम् ----- १५३
कुष्टाद्यष्टवर्गस्नानम् ----- १५३
हरिद्रादिसर्वौषधिस्नानम् ----- १५३
शतवर्यादिसहस्रमूली ----- १५४
पुष्पस्नात्रम् ----- १५४
वासस्नात्रम् ----- १५४
चन्दनस्नात्रम् ----- १५४
कुङ्कुमस्नात्रम् ----- १५४
आदर्शदर्शनम् ----- १५४
कर्पूरस्नात्रम् ----- १५४
शुद्धजलस्नात्रम् ----- १५४
नन्द्यावर्ताधिवासनम् ----- १५५
नन्द्यावर्तस्थापना ----- १५५
अष्टदलेषु न्यासः ----- १५५
नन्द्यावर्तपूजा ----- १५८
प्रथमवलयदेवताः ----- १५९
द्वितीयवलये ----- १६०
तृतीयवलये ----- १६२
चतुर्थवलये ----- १६३
पञ्चमवलये ----- १६५
षष्ठवलये ----- १७०
सप्तमवलये ----- १७३
अष्टमवलये ----- १७५
नवमवलये ----- १७८
दशमवलये ----- १८०
भूमिपुरमध्ये प्रकीर्णकपूजा ----- १८१
नन्द्यावर्तपट्टाच्छादनम् ----- १८३
प्रतिष्ठाविधिः ----- १८४
मङ्गलगाथा ----- १८५
देशनाप्रकारः ----- १८५
अष्टाह्निकामहिमा ----- १८५
शक्रस्तवः ----- १८६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पञ्चविंशतिपुष्पाञ्जलिप्रक्षेपः ---------------------------------------------------------------------------------१८६
शक्रेशानादिपूजनम् ----------------------------------------------------------------------------------------१९४
भगवत्या मण्डलम् ----------------------------------------------------------------------------------------२०७
प्रतिष्ठोपयुक्ता वासाः ---------------------------------------------------------------------------------------२०९
क्षेत्रपालप्रतिष्ठा -----------------------------------------------------------------------------------------------२१०
गणपतिप्रतिष्ठा -----------------------------------------------------------------------------------------------२१०
सिद्धमूर्तिप्रतिष्ठा ----------------------------------------------------------------------------------------------२११
देवतावसरप्रतिष्ठा----------------------------------------------------------------------------------------------२११
मन्त्रपट्टप्रतिष्ठा -----------------------------------------------------------------------------------------------२१२
पितृमूर्तिप्रतिष्ठा-----------------------------------------------------------------------------------------------२१२
यतिमूर्तिप्रतिष्ठा -----------------------------------------------------------------------------------------------२१३
ग्रहप्रतिष्ठा ---------------------------------------------------------------------------------------------------२१३
चतुर्णिकायदेवमूर्तिप्रतिष्ठा ---------------------------------------------------------------------------------२१४
गृहप्रतिष्ठा (वास्तु) विधिः --------------------------------------------------------------------------------२१४
जलाशयप्रतिष्ठा-----------------------------------------------------------------------------------------------२१५
वृक्षप्रतिष्ठा ---------------------------------------------------------------------------------------------------२१६
अट्टालकादिप्रतिष्ठा--------------------------------------------------------------------------------------------२१६
दुर्गयन्त्रप्रतिष्ठा -----------------------------------------------------------------------------------------------२१६
अधिवासनाविधिः ----------------------------------------------------------------------------------------------२१७
प्रतिष्ठादिनशुद्धिः----------------------------------------------------------------------------------------------२१८
प्रतिष्ठालक्षणम् -----------------------------------------------------------------------------------------------२१९
अथ शान्त्याधिकारः
शान्तिकप्रकारः------------------------------------------------------------------------------------------------२२०
अश्विन्यादिनक्षत्रशान्तिकम् ----------------------------------------------------------------------------------२२१
शान्तिदण्डकः -------------------------------------------------------------------------------------------------२२३
ग्रहशान्तिकम्--------------------------------------------------------------------------------------------------२२४
नक्षत्रग्रहशान्तिकम्---------------------------------------------------------------------------------------------२२५
मूलाश्लेषाविधानम्---------------------------------------------------------------------------------------------२२६
पूर्वाषाढादिशान्तिकानि ----------------------------------------------------------------------------------------२२८
स्नानादिना नक्षत्रशान्तिकम्-----------------------------------------------------------------------------------२२८
प्रकारान्तरेण ग्रहशान्तिः ---------------------------------------------------------------------------------------२३०
प्रकारान्तरेण ग्रहपूजा -----------------------------------------------------------------------------------------२३३
ग्रहशान्तिस्नानानि ---------------------------------------------------------------------------------------------२३४
सूर्यादिग्रहस्तुतिः------------------------------------------------------------------------------------------------२३५
अथ पौष्टिकाधिकारः

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पौष्टिकविधिः ---------- २३५
पौष्टिकदण्डकः ---------- २३७
पौष्टिकावश्यकतास्थळानि ---------- २३८
अथ बलिविधानविधिः
जिनबिम्बबलिः ---------- २३९
विष्णुरुद्रबली ---------- २३९
पितृव्यवहारबलिः ---------- २३९
अथ प्रायश्चित्ताधिकारः
प्रायश्चित्तहेतवः ---------- २३९
प्रायश्चित्ताचरणम् ---------- २४०
प्रायश्चित्तानुज्ञातृगुरुलक्षणण् ---------- २४०
प्रायश्चित्तानुचारककर्तृलक्षणम् ---------- २४०
आलोचनाग्रहणकालः ---------- २४०
प्रायश्चित्तानाचणे दोषः ---------- २४०
प्रायश्चित्ताचरणे गुणाः ---------- २४१
प्रायश्चित्तग्रहणविधिः ---------- २४१
आलोचनार्हं प्रायश्चित्तम् ---------- २४२
प्रतिक्रमणार्हं यथा ---------- २४२
आलोचनाप्रतिक्रमणोभयार्हम् ---------- २४२
विवेकार्हप्रायश्चित्तम् ---------- २४२
कायोत्सर्गार्हम् ---------- २४२
तपोर्हप्रायश्चित्तम् ---------- २४३
सूक्ष्मसूक्ष्मतपोविभागसंकलना ---------- २४३
ज्ञानातिचारेषु प्रायश्चित्तम् ---------- २४४
तपआचरे प्रायश्चित्तम् ---------- २४६
वीर्यातिचारे खण्डिते प्राय ---------- २४६
पुरुषप्रतिसेवायाम् ---------- २४७
छेदार्हं प्रायश्चित्तम् ---------- २४७
मूलार्हं प्रायश्चित्तम् ---------- २४७
अनावृत्तार्हं ---------- २४७
पराञ्चिकं प्रायश्चित्तम् ---------- २४८
श्रावकजीतकल्पः ---------- २४८
लघुजीतकल्पः ---------- २४९
व्यवहारजीतकल्पे यतिश्रावकप्रायश्चित्तविधिः ---------- २५४
प्रकीर्णप्रायश्चित्तं भावप्रायश्चित्तं च ---------- २५७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

स्नानार्हप्रायश्चित्तम्-------------------------------------------------------------------२५८
तपोर्हप्रायश्चित्तम् -------------------------------------------------------------------२५८
दानार्हप्रायश्चित्तम्-------------------------------------------------------------------२५९
विशधनार्हप्रायश्चितम् -------------------------------------------------------------------२५९
प्रायश्चित्तकोष्टकम् -------------------------------------------------------------------२६०
अथावश्यकाधिकारः
जीतकलप्पयन्त्रम् -------------------------------------------------------------------२६२
कोषत्रयोदशक्रमेण यन्त्रम्-------------------------------------------------------------------२६२
निरपेक्षकृतादियन्त्रम्-------------------------------------------------------------------२६२
ऋतुपरत्वेन दानकोष्टकम्-------------------------------------------------------------------२६३
स्वाध्यायचातुर्विध्यम्-------------------------------------------------------------------२६४
चतुर्विंशतिस्तवः -------------------------------------------------------------------२६५
चैत्यस्तववव्याख्या -------------------------------------------------------------------२६८
श्रुतस्तवव्याख्या -------------------------------------------------------------------२६८
आगमस्तवव्याख्या -------------------------------------------------------------------२६९
जिनागमस्तवः -------------------------------------------------------------------२६९
सिद्धस्तवव्याख्या -------------------------------------------------------------------२६९
महावीरस्तवव्याख्या -------------------------------------------------------------------२७०
वैयावृत्यकराणां कायोत्सर्गः-------------------------------------------------------------------२७१
भगवत्प्रार्थना-------------------------------------------------------------------२७१
वन्दनकम्-------------------------------------------------------------------२७२
अष्टनवत्युत्तरशतभङ्गाः -------------------------------------------------------------------२७२
पञ्चविंशतिप्रतिलेखना -------------------------------------------------------------------२७२
पञ्चविंशतिरावश्यककर्माणि -------------------------------------------------------------------२७२
द्वाददशावर्तवन्दनकम्-------------------------------------------------------------------२७२
षट् स्थानानि -------------------------------------------------------------------२७२
षट् गुरुवचनानि -------------------------------------------------------------------२७२
षड्गुणाः-------------------------------------------------------------------२७२
पञ्चाधिकारिणः-------------------------------------------------------------------२७२
पञ्चावन्दनीयाः-------------------------------------------------------------------२७३
पञ्चोदाहरणानि एकोवग्रहः -------------------------------------------------------------------२७३
पञ्चाभिधानानि-------------------------------------------------------------------२७३
पञ्चप्रतिषेधाः-------------------------------------------------------------------२७३
त्रयस्त्रिंशदाशातनाः -------------------------------------------------------------------२७४
द्वात्रिंशद्दोषाः -------------------------------------------------------------------२७४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अष्टौ करणानि ----------------------------------------------------------------------------------------२७५
षड्दोषाः ---------------------------------------------------------------------------------------------२७५
वन्दनकस्य व्याख्या ----------------------------------------------------------------------------------२७५
प्रतिक्रमणकथनम् ------------------------------------------------------------------------------------२७७
अतीचारालोचनम् ------------------------------------------------------------------------------------२७८
यतीनामतीचारालोनम्--------------------------------------------------------------------------------२७९
ज्ञानाचारः ----------------------------------------------------------------------------------------------२८०
दर्शनाचारः----------------------------------------------------------------------------------------------२८०
चारित्राचारः---------------------------------------------------------------------------------------------२८०
तपआचारः ----------------------------------------------------------------------------------------------२८०
बाह्यं तपः------------------------------------------------------------------------------------------------२८१
वीर्याचारः-----------------------------------------------------------------------------------------------२८१
क्षामणकथनम् -------------------------------------------------------------------------------------------२८१
संघादिक्षामणम् -----------------------------------------------------------------------------------------२८१
सर्वक्षामणम्-----------------------------------------------------------------------------------------------२८२
पूर्वशयनातिचारप्रतिक्रमणम् -----------------------------------------------------------------------------२८२
सुप्तस्यातिचाराः --------------------------------------------------------------------------------------------२८४
भिक्षादोषप्रतिक्रमणम् -------------------------------------------------------------------------------------२८४
प्रतिलेखनाद्यतिचारः --------------------------------------------------------------------------------------२८५
एकादिद्वारेण प्रतिक्रमः ------------------------------------------------------------------------------------२८५
ज्ञानविराधना----------------------------------------------------------------------------------------------२८६
प्रतिक्रमणमुक्तिः-------------------------------------------------------------------------------------------२८७
सप्त भयस्थानैः -------------------------------------------------------------------------------------------२८८
अष्ट मदस्थानैः--------------------------------------------------------------------------------------------२८८
नवभिर्ब्रह्मचर्यगुप्तिभिः------------------------------------------------------------------------------------२८८
दशविधे श्रमणधर्मे----------------------------------------------------------------------------------------२८८
एकादशभिरुपासकप्रतिमाभिः-----------------------------------------------------------------------------२८८
द्वादशभिर्भिक्षुप्रतिमाभिः ------------------------------------------------------------------------------------२८८
त्रयोदशभिः क्रियास्थानैः ----------------------------------------------------------------------------------२८८
चतुर्दशभिर्भूतग्रामैः -----------------------------------------------------------------------------------------२८८
पञ्चदशभिः अधार्मिकैः ------------------------------------------------------------------------------------२८८
षोडशभिर्गाथाभिः -----------------------------------------------------------------------------------------२८८
सप्तदशविधे असंयमे--------------------------------------------------------------------------------------२८८
अष्दशविधे अब्रह्मणि -------------------------------------------------------------------------------------२८८
एकोनविंशताध्ययनैः---------------------------------------------------------------------------------------२८८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

विंशत्या असमाधिस्थानैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८८
एकविंशत्या शबलैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
द्वाविंशत्या परीषहैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
त्रयोविंशत्या सूत्राध्ययनैः---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
चतुर्विंशत्यार्हद्भिः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
पञ्चविंशत्या भावनाभिः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
षड्विंशत्या श्रुतस्कन्धादिभिः---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
सप्तविंशत्या अनगारगुणैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
अष्टाविंशत्या आचारप्रकल्पैः---------------------------------------------------------------------------------------------२८९
एकोनत्रिंशता पापश्रुतप्रसङ्गैः---------------------------------------------------------------------------------------------२९०
त्रिंशता मोहनीयकर्मभेदैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२९०
एकत्रिंशता सिद्धादिगुणैः---------------------------------------------------------------------------------------------२९०
द्वात्रिंशता योगसंग्रहैः ---------------------------------------------------------------------------------------------२९०
त्रयस्त्रिंशता आशातनाभिः ---------------------------------------------------------------------------------------------२९१
आशातनाप्रतिक्रमणम् ---------------------------------------------------------------------------------------------२९१
सर्जीवक्षामणम्---------------------------------------------------------------------------------------------२९३
यतिपाक्षिकसूत्रव्याख्या ---------------------------------------------------------------------------------------------२९४
यतिधर्मस्य व्रतभङ्गख्यापनं ---------------------------------------------------------------------------------------------२९६
महाव्रतव्युत्पत्तिः ---------------------------------------------------------------------------------------------२९९
आलापद्वादशकेन महाव्रतोच्चार ---------------------------------------------------------------------------------------------३००
सूत्रकीर्तनम् ---------------------------------------------------------------------------------------------३०२
प्रतिश्रुतदेवतास्वः ---------------------------------------------------------------------------------------------३०५
सामायिकातिचारः---------------------------------------------------------------------------------------------३०८
योगत्रयसमस्तातिचारः ---------------------------------------------------------------------------------------------३०९
सार्वातिचारानाह---------------------------------------------------------------------------------------------३०९
सम्यग्दृष्टेरल्पं कर्मबन्धमाहः ---------------------------------------------------------------------------------------------३१०
कायोत्सर्गाः ---------------------------------------------------------------------------------------------३११
भङ्गरान्तराणि कायोत्सर्गस्य ---------------------------------------------------------------------------------------------३११
प्रत्याख्यानं व्याख्या च ---------------------------------------------------------------------------------------------३१२
प्रत्याख्यानशुद्धिः षड्विधा---------------------------------------------------------------------------------------------३१७
आवश्यकसामायिकम्---------------------------------------------------------------------------------------------३१९
पौषधविधिः ---------------------------------------------------------------------------------------------३२०
चैत्यवन्दनयोजना ---------------------------------------------------------------------------------------------३२३
वन्दनकयोजना ---------------------------------------------------------------------------------------------३२४
ईर्यापथिकी ---------------------------------------------------------------------------------------------३२५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चैत्यवन्दनादीनां प्रतिक्रमणयुक्तिः --------------------------------------------------------------------------------३२५
पाक्षिके विशेषः --------------------------------------------------------------------------------३२८
कायोत्सर्गयोजना --------------------------------------------------------------------------------३३०
दशविधप्रत्याख्यानानि--------------------------------------------------------------------------------३३१
पिण्डितप्रत्याख्यानानि --------------------------------------------------------------------------------३३१
अभिग्रहाः--------------------------------------------------------------------------------३३२
नृपादीनामावश्यकविधिः--------------------------------------------------------------------------------३३३
अथ तपोविध्यधिकारः
तपस्वरूपम् --------------------------------------------------------------------------------३३४
जिनोक्तानि तपांसि --------------------------------------------------------------------------------३३५
कल्याणकादितपांसि --------------------------------------------------------------------------------३३६
गीतार्थानि तपांसि --------------------------------------------------------------------------------३३६
सर्वाङ्गसुन्दरादिपलतपासि --------------------------------------------------------------------------------३३६
इन्द्रियजयतपः--------------------------------------------------------------------------------३३७
कषायजयतपः--------------------------------------------------------------------------------३३७
योगशुद्धितपः --------------------------------------------------------------------------------३३७
धर्मचक्रतपः --------------------------------------------------------------------------------३३८
लघुअष्टाह्निकातपोद्वयं--------------------------------------------------------------------------------३३८
कर्मसूदनतपः --------------------------------------------------------------------------------३३८
गीतार्थाचीर्णानि तपांसि --------------------------------------------------------------------------------३३९
द्वितीया कल्यामतकपोरीतिः --------------------------------------------------------------------------------३४०
कल्याणकतपः --------------------------------------------------------------------------------३४०
ज्ञानादित्रीणि तपांसि--------------------------------------------------------------------------------३४०
दर्शनतपः--------------------------------------------------------------------------------३४०
चारित्रतपः--------------------------------------------------------------------------------३४०
चान्द्रायणतपः--------------------------------------------------------------------------------३४०
यवमध्यचान्द्रायणतपः --------------------------------------------------------------------------------३४२
वज्रमध्यचान्द्रायणतपः--------------------------------------------------------------------------------३४२
वर्धमानतपः--------------------------------------------------------------------------------३४३
परमभूषणतपः --------------------------------------------------------------------------------३४३
दातपः --------------------------------------------------------------------------------३४४
केवलज्ञानतपः --------------------------------------------------------------------------------३४४
निर्वाणतपः--------------------------------------------------------------------------------३४४
पुरुषस्योनोदरिकातपः --------------------------------------------------------------------------------३४६
संलेखनातपः --------------------------------------------------------------------------------३४६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सर्वसंख्याश्रीमहावीरतपः----------------------------------------------------------------------------------३४७
कनकावलीतपः----------------------------------------------------------------------------------३४८
मुक्तावलीतपः----------------------------------------------------------------------------------३४९
रत्नावलीकाहलादाडिमौ----------------------------------------------------------------------------------३४९
लघुसिंहनिःक्रीडिततपः----------------------------------------------------------------------------------३५०
बृहत्सिंहनिःक्रीडिततपः ----------------------------------------------------------------------------------३५१
भद्रतप आगाढं----------------------------------------------------------------------------------३५२
महाभद्रतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५२
भद्रोत्तरपः----------------------------------------------------------------------------------३५२
सर्वतोभद्रतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५३
गुणरत्नसंवत्सरतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५४
अङ्गतपः----------------------------------------------------------------------------------३५४
संवत्सरतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५५
नन्दीश्वरतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५५
पुण्डरीकतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५५
माणिक्यप्रस्तारिकातपः ----------------------------------------------------------------------------------३५६
पद्मोत्तरतपः----------------------------------------------------------------------------------३५६
समवसरणतपोद्वयम् ----------------------------------------------------------------------------------३५६
एकादशगणधरतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५७
अशोकवृक्षतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५७
सप्ततिशततपः----------------------------------------------------------------------------------३५७
नमस्कारतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५८
चतुर्दशपूर्वतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५८
एकावलीतपः ----------------------------------------------------------------------------------३५८
यतिधर्मतपः----------------------------------------------------------------------------------३५९
पञ्चपरमेष्ठितपः ----------------------------------------------------------------------------------३५९
लघुपञ्चमी-बृहत्पञ्चमी----------------------------------------------------------------------------------३६०
चतुर्विधसंघतपः----------------------------------------------------------------------------------३६०
घनतपः----------------------------------------------------------------------------------३६०
महाघनतपः ----------------------------------------------------------------------------------३६१
वर्गतपः----------------------------------------------------------------------------------३६१
श्रेणीतपः ----------------------------------------------------------------------------------३६२
पञ्चमेरुतपः ----------------------------------------------------------------------------------३६२
द्वात्रंशत्कल्याणकतपः----------------------------------------------------------------------------------३६२
च्यवनतपः ----------------------------------------------------------------------------------३६२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

च्यवनजन्मतपः ------------------------------------------------------------------------------------ ३६३
यवमध्ये सूरायणतपः ------------------------------------------------------------------------------ ३६३
वज्रमध्ये सूरायणतपः ------------------------------------------------------------------------------ ३६३
लोकनालितपः------------------------------------------------------------------------------------- ३६३
कल्णाष्टिहाकतपः ---------------------------------------------------------------------------------- ३६४
आचाम्लवर्धमानतपः ------------------------------------------------------------------------------- ३६४
माघमालातपः ------------------------------------------------------------------------------------ ३६५
महावीरतपः ------------------------------------------------------------------------------------- ३६५
लक्षप्रतिपत्तपः ----------------------------------------------------------------------------------- ३६५

अथ फलतपांसि

सर्वाङ्गसुन्दरतपः---------------------------------------------------------------------------------- ३६५
निरुजशिखातपः----------------------------------------------------------------------------------- ३६६
सौभाग्यकल्पवक्षतपः------------------------------------------------------------------------------ ३६६
दमयन्तीतपः------------------------------------------------------------------------------------- ३६६
आयतिजनकतपः --------------------------------------------------------------------------------- ३६६
अक्षयनिधितपः ---------------------------------------------------------------------------------- ३६७
मुकुटसप्तमीतपः---------------------------------------------------------------------------------- ३६७
अम्बातप आगाढं--------------------------------------------------------------------------------- ३६७
श्रुतदेवीतपः ------------------------------------------------------------------------------------- ३६८
रोहिणीतपः-------------------------------------------------------------------------------------- ३६८
मातरतपः -------------------------------------------------------------------------------------- ३६८
सर्वसुखसंपत्तितपः-------------------------------------------------------------------------------- ३६८
अष्टापदपावडीतपः-------------------------------------------------------------------------------- ३६९
मोक्षदण्डतपः------------------------------------------------------------------------------------ ३६९
अदुःखदर्शितपः---------------------------------------------------------------------------------- ३६९
द्वि. अदुःखदर्शितपः------------------------------------------------------------------------------ ३६९
गौतमपडिगहातपः -------------------------------------------------------------------------------- ३७०
निर्वाणदीपतपः----------------------------------------------------------------------------------- ३७०
अमृताष्टमीतपः----------------------------------------------------------------------------------- ३७०
अखण्डदशमीतपः -------------------------------------------------------------------------------- ३७१
परत्रपालितपः ------------------------------------------------------------------------------------ ३७१
सोपान (पावडी) तपः----------------------------------------------------------------------------- ३७१
सोपान (सप्तसप्ततिका) तपः ----------------------------------------------------------------------- ३७१
सोपान (अष्टअष्टमिका) तपः ----------------------------------------------------------------------- ३७२
सोपान (नवनवमिका) तपः------------------------------------------------------------------------- ३७२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सोपान (दशदशमिका) तपः------------------------------------------------------------------------------------३७२
कर्मचतुर्थतपः ---------------------------------------------------------------------------------------------३७२
नमस्कारफलतपः -------------------------------------------------------------------------------------------३७३
अवधिवादशमीतपः -----------------------------------------------------------------------------------------३७३
बृहन्नन्द्यावर्ततपः --------------------------------------------------------------------------------------------३७३
लघुनन्द्यावर्ततपः-------------------------------------------------------------------------------------------३७३
विंशतिस्थानकानिः -----------------------------------------------------------------------------------------३७४
अथ पादारोपाधिकारः
यतीनां पदरोपः ------------------------------------------------------------------------------------------------३७४
विप्राणां चतुर्धापदक्रमः ---------------------------------------------------------------------------------------३७५
आचार्यपदारोपः -------------------------------------------------------------------------------------------------३७५
उपाध्यायपदारोपः -----------------------------------------------------------------------------------------------३७६
स्थानपतिपदारोपः -----------------------------------------------------------------------------------------------३७६
कर्माधिकारिपदारोपः ---------------------------------------------------------------------------------------------३७७
क्षत्रियपदारोपः --------------------------------------------------------------------------------------------------३७७
नृपपदारोपविधिः ------------------------------------------------------------------------------------------------३७८
राज्ञीपदारोपः ----------------------------------------------------------------------------------------------------३८०
सामन्तपदारोपः--------------------------------------------------------------------------------------------------३८१
मण्डलेश्वरपदारोपः -----------------------------------------------------------------------------------------------३८१
ग्रामाधिपत्यविधिः ------------------------------------------------------------------------------------------------३८१
मन्त्रिपदारोपः ----------------------------------------------------------------------------------------------------३८२
सेनापति विधिः--------------------------------------------------------------------------------------------------३८२
कर्माधिकारिपदम् ------------------------------------------------------------------------------------------------३८२
वैश्यशूद्रयोर्विधिः --------------------------------------------------------------------------------------------------३८३
पशूनांपदारोपः----------------------------------------------------------------------------------------------------३८३
संघपतिपदारोपः--------------------------------------------------------------------------------------------------३८३
मुद्राविचारः -------------------------------------------------------------------------------------------------------३८५
नामकरणविधिः---------------------------------------------------------------------------------------------------३८७
अथ व्यवहारपरमार्थः
व्यवहारस्वरूपम् -------------------------------------------------------------------------------------------------३८८
गर्भाधाननिर्यासः-------------------------------------------------------------------------------------------------३८९
ग्रन्थकर्तृप्रशस्तिः -------------------------------------------------------------------------------------------------३९७
ग्रन्थसमाप्तिः -----------------------------------------------------------------------------------------------------३९८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org